• कविताएं...

आ गया सूरज

धूप का बस्ता उठाए आ गया सूरज,
बैल्ट किरणों की लगाए, आ गया सूरज!
भोर की बुश्शर्ट पहने
सांझ का निक्कर,
दोपहर में सो गया था
लॉन में थककर।
सर्दियों में हर किसी को भा गया सूरज!
हर सुबह रथ रोशनी का
साथ लाता है,
सांझ की बस में हमेशा
लौट जाता है।
दोस्तों को दोस्ती सिखला गया सूरज!

■ कृष्ण कल्पित

अच्छा होता

अंक गणित
अंग्रेजी, हिन्दी, सामाजिक
और विज्ञान समझ में आए
अंकगणित जब करने बैठूं
सारा दिमाग जाम हो जए ।
सरल जोड़ भाग गुणा घटाओ
कर लेता हूं जैसे-तैसे
घुमा-घुमा कर पूछे कोई
उसको हल करूं मैं कैसे?
इतना बड़ा हो गया हूं मैं
अंकगणित में अब भी जीरो
बाकी सारे काम करूं झट
दुनिया माने मुझको हीरो।

■ दीनदयाल शर्मा

• चुटकुला...

टीचर : संजू, बताओ... नदी में नींबू का पेड़ लगा है, तो तुम नींबू कैसे तोड़ोगे?
संजू : सर, चिड़िया बनकर पेड़ पर उड़ जाऊंगा और तोड़ लूंगा।
टीचर : बकवास मत करो! इंसान कहीं चिड़िया बन सकता है क्या?
संजू : तो सर, नदी में नींबू का पेड़ भी आपके दादाजी ने लगाया था क्या? 😊😊😊

मरीज : डॉक्टर साहब, आपने जो दवाई की पर्ची दी थी, वो मुझसे खो गई है।
डॉक्टर : कोई बात नहीं, मैं फिर से लिख देता हूं। वैसे, क्या आपको याद है कि मैंने क्या-क्या लिखा था?
मरीज : हां डॉक्टर साहब, मुझे बस इतना याद है... पहली लाइन में ?500 फीस लिखी थी!

• जानकारी...

वीरान हो गए शहर

दुनिया में तमाम ऐसी जगहें हैं, जो कभी खूबसूरती और इंसानी चहल-पहल की मिसाल हुआ करती थीं, लेकिन वक्त का पहिया ऐसा घूमा कि रातों-रात इन हंसते-खेलते शहरों की किस्मत बदल गई और ये हमेशा के लिए वीरान हो गए। पहले जहां आपकी और हमारी तरह से लोग रहा करते थे, बच्चे स्कूल जाते थे और बाजार सजते थे, वहां आज सिर्फ खामोशी का राज है। किसी शहर को कुदरत के कहर ने तबाह कर दिया, तो किसी को इंसानी गलतियों और आपसी समझौतों ने लील लिया, चलिए उन शहरों के बारे में जानें।

ज्वालामुखी ने लील ली कैरेबियन द्वीप की खूबसूरती-इस फेहरिस्त में सबसे पहले और डरावना नाम कैरेबियन द्वीप पर बसे मोंटसेराट के प्लायमाउथ शहर का नाम शामिल है। साल 1995 से पहले यह एक बेहद खूबसूरत और पर्यटकों से भरा रहने वाला तटीय शहर हुआ करता था। लेकिन इसी साल यहां मौजूद सौफ्रिएरे हिल्स नाम का एक शांत ज्वालामुखी अचानक से फट पड़ा। ज्वालामुखी से निकली राख, जहरीली गैसों और खौलते गर्म लावे ने धीरे-धीरे पूरे शहर को अपनी आगोश में ले लिया। हालात बदतर होते देख साल 1996 में सरकार ने पूरे शहर को खाली करा दिया।

कैसे खाली हो गया तुर्किए का कायाकोय-कुदरती कहर के अलावा कई बार इंसानों के राजनीतिक फैसले भी हंसते-खेलते शहर को उजाड़ने के लिए काफी होते हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण तुर्किए का कायाकोय शहर है। साल 1923 में ग्रीस और तुर्किए के बीच एक बड़ा जनसंख्या समझौता हुआ, जिसके तहत दोनों देशों ने एक-दूसरे के नागरिकों की अदला-बदली करने का फैसला किया। इस एक ऐतिहासिक फैसले की वजह से कायाकोय में सदियों से रह रहे हजारों लोगों को अचानक अपने आलीशान घर और पुरखों की जमीन छोड़कर हमेशा के लिए जाना पड़ा।

पेंसिल्वेनिया का आग ने सब उजाड़ दिया-संयुक्त राज्य अमेरिका के पेंसिल्वेनिया राज्य में स्थित सेंट्रेलिया शहर की कहानी किसी हॉरर फिल्म से कम नहीं है। मई 1962 में मेमोरियल डे के दौरान शहर के एक कचरे के ढेर में आग लग गई थी। बदकिस्मती से यह आग जमीन के नीचे बनी कोयले की पुरानी खदानों की सुरंगों तक पहुंच गई। तब से लेकर आज तक इस शहर के नीचे कोयला सुलग रहा है। इसके बाद से जमीन में जहरीली गैसें निकलने लगीं और सड़कें बीच से फटना चालू हो गईं। सरकार ने करोड़ों डॉलर खर्चा करके 1980 के दशक में लोगों को यहां से निकाला।

चेर्नोबिल का परमाणु हादसा-परमाणु ऊर्जा का लालच इंसानों पर कितना भारी पड़ सकता है, इसका गवाह यूक्रेन का प्रिप्यात शहर है। साल 1986 में इस शहर के पास स्थित चेर्नोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र में एक भयानक विस्फोट हुआ, जिससे खतरनाक रेडिएशन फैला। इस जानलेवा खतरे को देखते हुए प्रशासन ने महज कुछ घंटों के अंदर करी 45,000 नागरिकों को शहर खाली करने के लिए कह दिया।

• तेनालीराम की कहानी

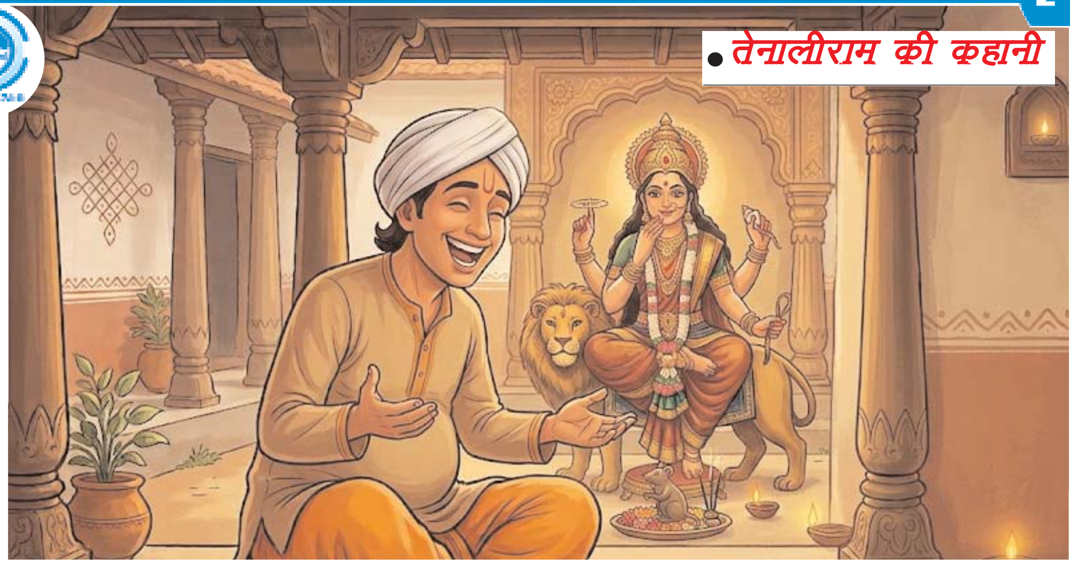

अच्छा, तू मां से भी मजाक करेगा?

विजयनगर एक मजबूत चट्टान की तरह खड़ा था। साथ ही वहां लोग साहित्य और कलाओं से प्रेम करने वाले तथा परिहास-प्रिय थे। उन्हीं दिनों की बात है, विजयनगर के तेनाली गांव में एक बड़ा बुद्धिमान और प्रतिभा संपन्न किशोर था।

उसका नाम था रामलिंगम। वह बहुत हंसोड़ और हाजिर जवाब था। उसकी हास्यपूर्ण बातें और मजाक तेनाली गांव के लोगों को खूब आनंदित करते थे...

कोई छह सौ वर्ष पुरानी बात है। विजयनगर का साम्राज्य सारी दुनिया में प्रसिद्ध था। उन दिनों भारत पर विदेशी आक्रमणों के कारण प्रजा बड़ी मुश्किलों में थी। हर जगह लोगों के दिलों में दुख-चिंता और गहरी उधेड़-बुन थी। पर विजयनगर के प्रतापी राजा कृष्णदेव राय की कुशल शासन-व्यवस्था, न्याय-प्रियता और प्रजा-वत्सलता के कारण वहां प्रजा बहुत खुश थी। राजा कृष्णदेव राय ने प्रजा में मेहनत और सद्गुणों के साथ-साथ अपनी संस्कृति के लिए स्वाभिमान का भाव पैदा कर दिया था, इसलिए विजयनगर की ओर देखने की हिम्मत किसी विदेशी आक्रांता की नहीं थी। विदेशी आक्रमणों की आंधी के आगे विजयनगर एक मजबूत चट्टान की तरह खड़ा था। साथ ही वहां लोग साहित्य और कलाओं से प्रेम करने वाले तथा परिहास-प्रिय थे।

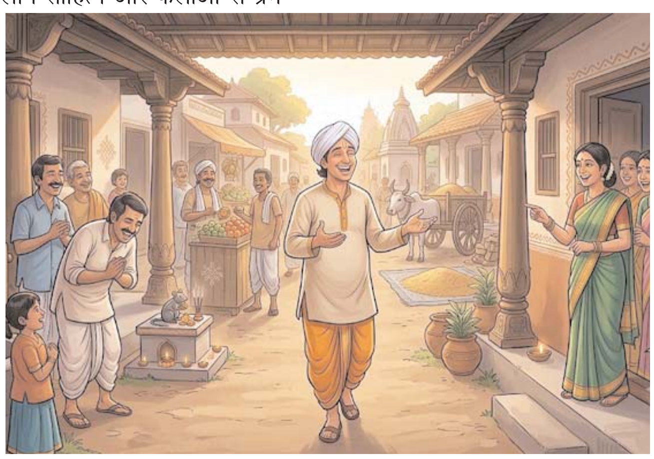

उन्हीं दिनों की बात है, विजयनगर के तेनाली गांव में एक बड़ा बुद्धिमान और प्रतिभा संपन्न किशोर था। उसका नाम था रामलिंगम। वह बहुत हंसोड़ और हाजिर जवाब था। उसकी हास्यपूर्ण बातें और मजाक तेनाली गांव के लोगों को खूब आनंदित करते थे। रामलिंगम खुद ज्यादा हंसता नहीं था, पर धीरे से कोई ऐसी चतुराई की बात कहता कि सुनने वाले हंसते-हंसते लोटपोट हो जाते। उसकी बातों में छिपा हुआ व्यंग्य और बड़ी सूझ-बूझ होती। इसलिए वह जिसका मजाक उड़ाता, वह शख्स भी द्वेष भूलकर औरों के साथ खिलखिलाकर हंसने लगता था। यहां तक कि अकसर राह चलते लोग भी रामलिंगम की कोई चतुराई की बात सुनकर हंसते-हंसते लोटपोट हो जाते।

अब तो गांव के लोग कहने लगे थे, "बड़ा अद्भुत है यह बालक। हमें तो लगता है कि यह रोते हुए लोगों को भी हंसा सकता है। रामलिंगम कहता, "पता नहीं, रोते हुए लोगों को हंसा सकता हूं कि नहीं, पर सोते हुए लोगों को जरूर सकता हूं।" सुनकर आसपास खड़े लोग ठठाकर हंसने लगे।

यहां तक कि तेनाली गांव में जो लोग बाहर से आते, उन्हें भी गांव के लोग रामलिंगम के अजब-अजब किस्से और कारनामे सुनाया करते थे। सुनकर वे भी खिलखिलाकर हंसने लगते थे और कहते, "तब तो यह रामलिंगम सचमुच अद्भुत है। हमें तो लगता है कि यह पत्थरों को भी हंसा सकता है!"

गांव के एक बुजुर्ग ने कहा, "भाई, हमें तो लगता है कि यह घूमने के लिए पास के जंगल में जाता है, तो वहां के पेड़-पौधे और फूल-पत्ते भी इसे देखकर जरूर हंस पड़ते होंगे।"

एक बार की बात है, रामलिंगम जंगल में घूमता हुआ मां दुर्गा के एक प्राचीन मंदिर में गया।

-जारी

• रोचक...

सबसे लंबा नाम

न्यूजीलैंड के लॉरेंस वॉटकिंस की पहचान बेहद खास है, क्योंकि इनका नाम इतना बड़ा और लंबा है कि इसको लिखने में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की किताब के पूरे 6 पन्ने भर जाते हैं। यह अनोखा रिकॉर्ड पहली बार 1992 में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में देखा गया था, जब वॉटकिंस सिर्फ 24 साल के थे। उस समय वह ऑकलैंड की सिटी लाइब्रेरी में काम करते थे। वॉटकिंस का कहना है कि बचपन से ही उनका सपना गिनीज बुक में अपना नाम दर्ज करवाने का था। हालांकि, वह न तो सबसे बलशाली थे, न सबसे लंबे और न ही सबसे तेज। ऐसे में उन्होंने सोचा कि क्यों न दुनिया का सबसे लंबा नाम ही रख लिया जाए। इसके लिए उन्होंने बच्चों के नाम रखने वाली किताबें, माओरी शब्दकोश और अपने सहकर्मियों से हजारों नाम इकट्ठा किए, जिनमें यूरोपियन, माओरी, सामोअन, जापानी और चीनी नाम शामिल थे। धीरे-धीरे उन्होंने दो हजार से भी ज्यादा यानी कुल 2,253 यूनीक शब्दों के साथ अपना नाम रख लिया और यह दुनिया भर में एक रिकॉर्ड बन गया।

• डायनासोर के वंशज?...

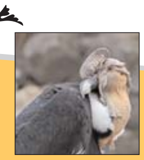

आधुनिक जीव विज्ञान और वैज्ञानिकों की रिसर्च यह साबित कर चुकी है कि आज के दौर के पक्षी असल में थेरोपॉड डायनासोर के ही जीवित वंशज हैं।। समय के साथ खुद को बचाए रखने के लिए इनका रूप बदल गया है और ये उड़ने वाले पक्षी बन गए हैं। आज भी दुनिया में कई ऐसे पक्षी मौजूद हैं, जिनकी बनावट और आकार देखने पर आपको उन बड़े-बड़े विशालकाय जीवों की याद आना तय है। दक्षिण अमेरिका की एंडीज पहाड़ियों में आपको इसका जीता-जागता उदाहरण देखने को मिल सकता है। यहां पर एंडियन कंडोर नाम का एक बहुत बड़ा पक्षी पाया जाता है।